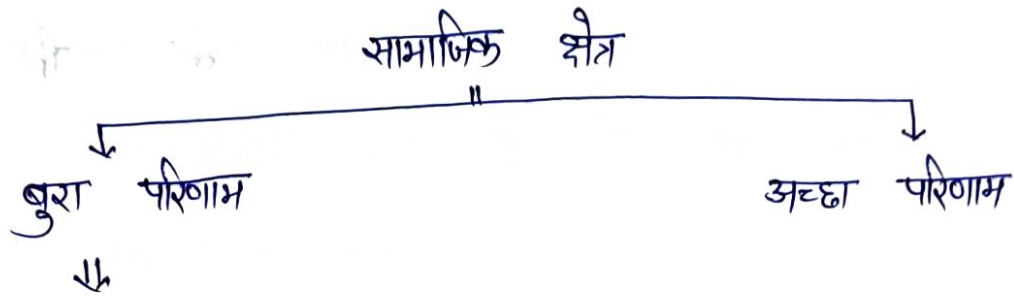


मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र के परिणाम →

जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में मानवीय क्रिया-
कलापों के परिणाम →



↳ भेदभाव - लिंग भेद, नस्ल भेद, जातीय भेदभाव

इत्यादि बढ़ेगा।

↳ शोषण एवं अत्याचार

↳ बाल विवाह, दहेज प्रथा

↳ भ्रूण हत्या

↳ यौन उत्पीड़न

↳ सामाजिक विषमता

↳ कुरीतियाँ एवं अंधविश्वास

↳ असाक्षरता

↳ भ्रष्टाचार

अच्छा परिणाम →

⇓

- ↳ सामाजिक विषमता में कमी
- ↳ लिंग समानता
- ↳ सामाजिक सदभाव
- ↳ अंधविश्वास एवं कुशक्तियों का निवारण
- ↳ सामाजिक न्याय
- ↳ समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं बंधुत्व को बढ़ावा
- ↳ सामाजिक पूँजी में वृद्धि
- ↳ स्वच्छ भारत अभियान की सफलता
- ↳ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की सफलता।

राजनीतिक क्षेत्र

पुरा परिणाम

⇓

↳ राजनीतिक - आपराधिक गठजोड़,

अच्छा परिणाम

⇓

↳ स्वस्थ लोकतंत्र की स्थापना,

- ↳ सांप्रदायिकता
- ↳ आतंकवाद
- ↳ नव-शल्वाद
- ↳ अलगाववाद
- ↳ आई- भतीजावाद
- ↳ लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रहार
- ↳ राजनीति का अपराधीकरण व अपराधी का राजनीतिकरण
- ↳ लोककल्याणकारी राज्य की स्थापना,
- ↳ समानता, स्वतंत्रता, -पाप एवं पंचानिरपेक्षता की स्थापना,
- ↳ स्वस्थ जनमत का निर्माण,
- ↳ राजनीति में नैतिकता का बढ़ावा।



पुरा परिणाम
↓

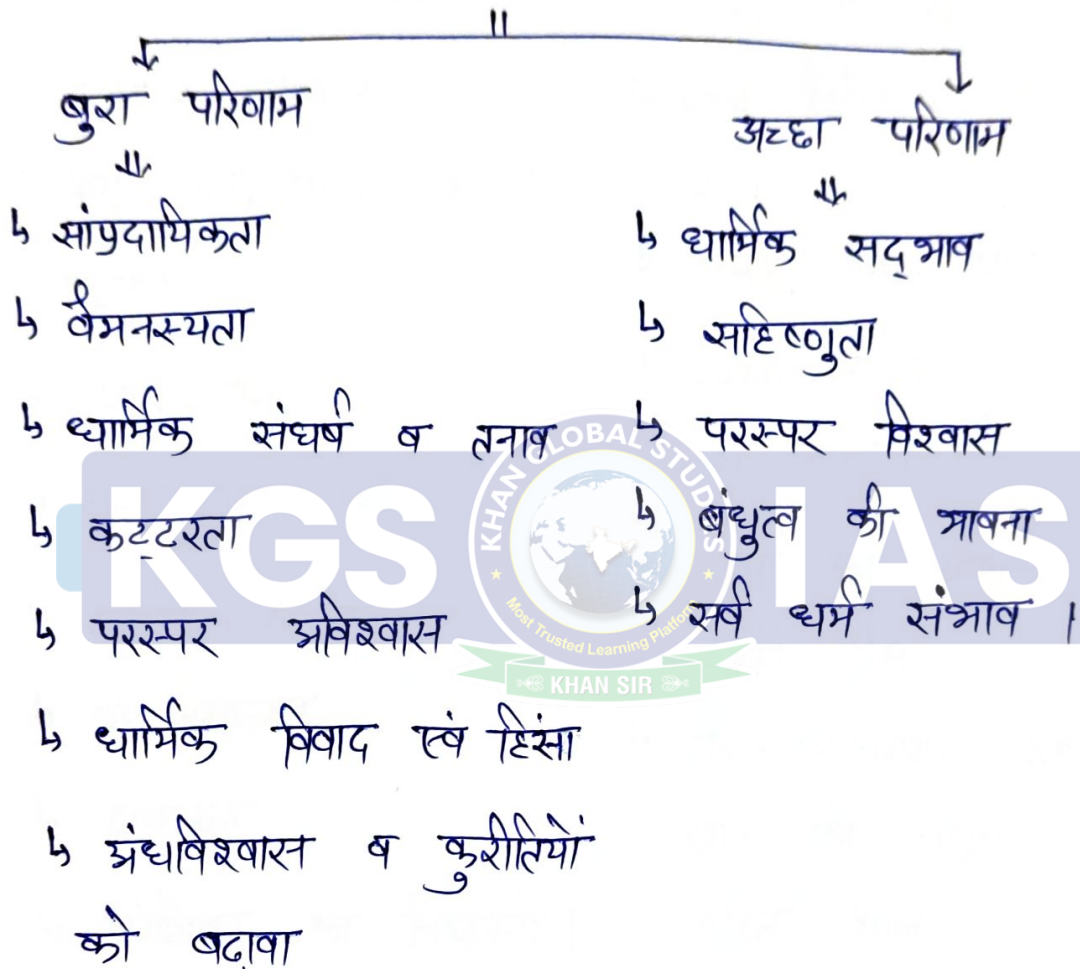
- ↳ भ्रष्टाचार
- ↳ घोटाला
- ↳ कर बंचना
- ↳ रिश्त खोरी
- ↳ मनी लॉड्रिंग को बढ़ावा
- ↳ लोकनिधि का दुरुपयोग।

अच्छा परिणाम
↓

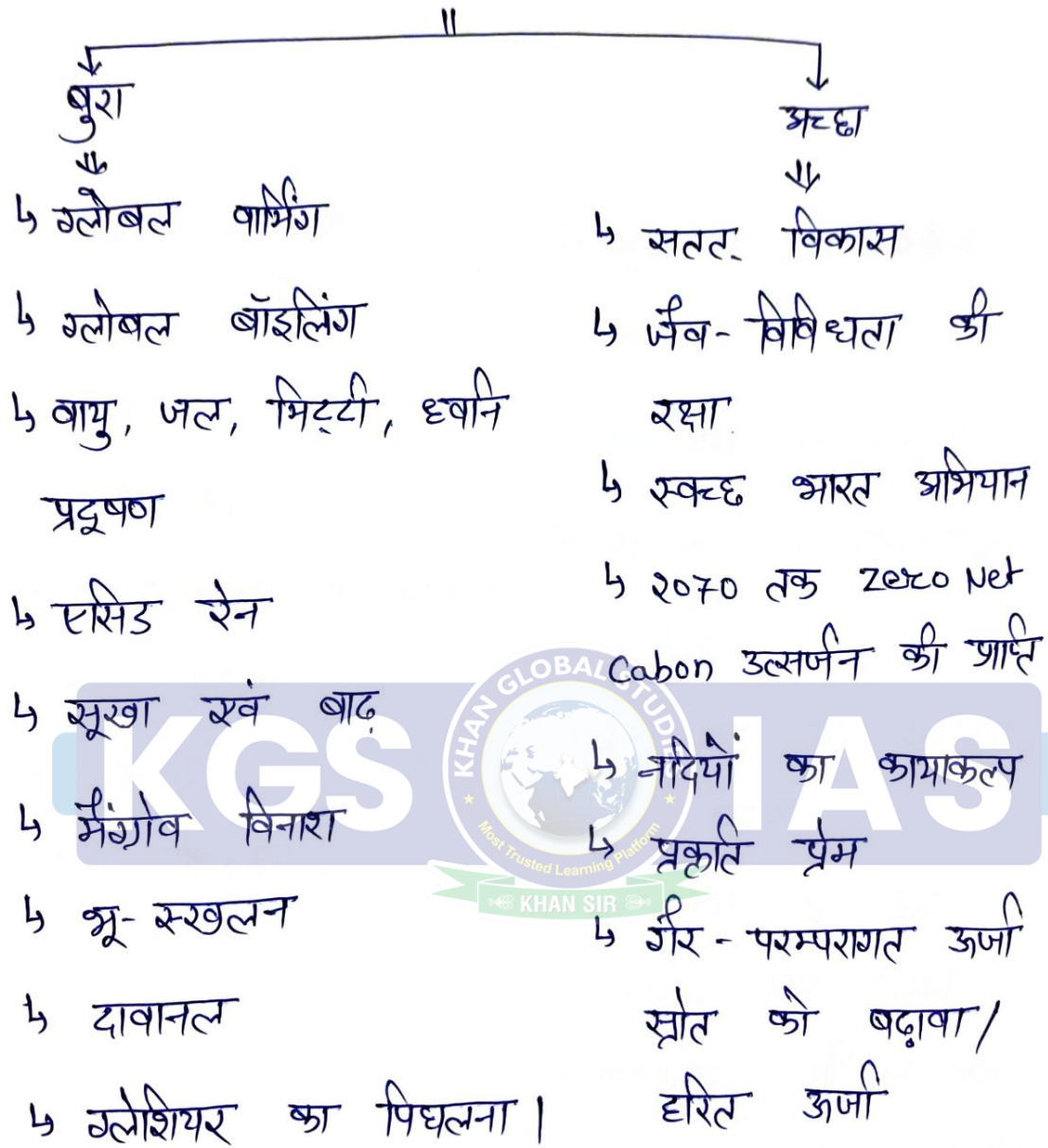
- ↳ समावेशी विकास
- ↳ सतत विकास
- ↳ गरीबी व बेरोजगारी उन्मूलन
- ↳ मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति
- ↳ दूरित अव्यवस्था

⇒ आर्थिक क्षेत्र में अच्छा काम करने पर
2017 तक विकसित भारत का सपना पूरा।

धार्मिक क्षेत्र



पर्यावरणीय



प्रशासनिक क्षेत्र

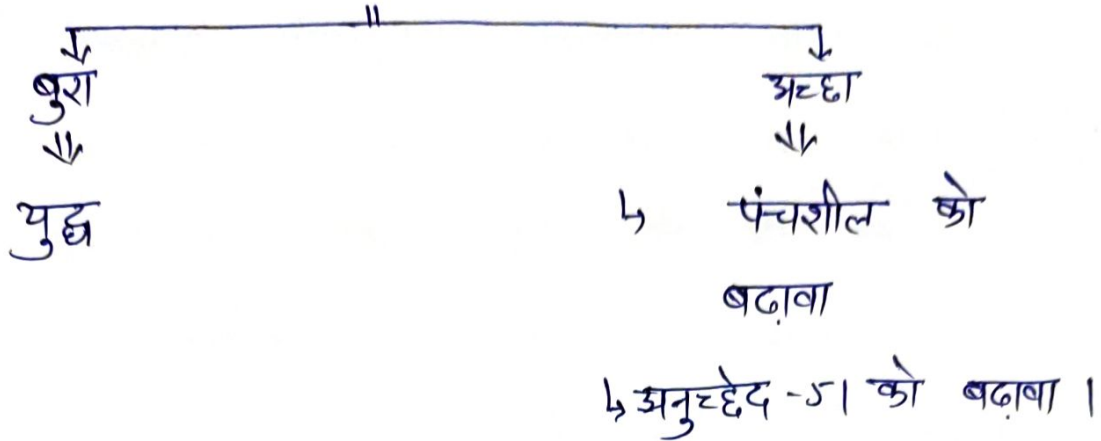
बुरा
↓

- ↳ भाई - भतीजावाद
- ↳ लालफीताशाही
- ↳ भ्रष्टाचार
- ↳ भेदभाव
- ↳ औपनिवेशिक मानसिकता को बढ़ावा
- ↳ योजनाओं में देरी एवं विफलता।

अच्छा
↓

- ↳ सुशासन एवं नैतिक शासन की स्थापना,
- ↳ लोकनिर्वाह का सदुपयोग,
- ↳ सेवाओं की गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति।
- ↳ ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को बढ़ावा
- ↳ लोकसेवा के प्रति समर्पण भाव बढ़ेगा
- ↳ कमजोर वर्गों के प्रति समानुभूति व सहिष्णुता के भाव को बढ़ावा
- ↳ नागरिक केंद्रित शासन की स्थापना
- ↳ सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा।

अंतर्राष्ट्रीय



⇒ यदि हम जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उचित कर्मों को प्रोत्साहित करें, उनका सम्पादन करें तथा अनुचित कर्मों को दंडित करें, उनसे दूर रहें तो सुखद मानवीय जीवन की स्थापना संभव है। ऐसा होने पर ही लोकतांत्रिक मूल्यों (समानता, स्वतंत्रता, -याय, बंधुत्व आदि) की स्थापना हो सकेगी, इसके लिए आवश्यक है कि व्यक्ति की नीतिक चेतना को जागृत एवं विकसित किया जाए तथा व्यक्ति की नकारात्मक मनोवृत्ति एवं कार्यों पर नियंत्रण की व्यवस्था की जाए,

इसके लिए बाह्य कारकों (कानून, नियम, लोकपाल, लोकायुक्त, सिटीजन चार्टर आदि) के साथ-साथ इस बात पर बल दिया जाए कि क्पन में ही क्चों के मन, मास्तिष्क में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से मूल्यों को विकसित कर दिया जाए।

नीतिशास्त्र के आयाम →

↓
विविध पक्ष एवं विस्तार

नीतिशास्त्र के आयाम को 3 भागों में बाँटकर देखा जा सकता है-

- (i) मानकीय नीतिशास्त्र (Normative Ethics)
- (ii) अनुप्रयुक्त नीतिशास्त्र (Applied Ethics)
- (iii) अधि नीतिशास्त्र (Meta Ethics)